सहायक निदेशक ने दी विद्यार्थियों को जानकारी

बांगड़ महाविद्यालय में इग्नू के कार्यक्रम में उपस्थित लोग व जानकारी देते इग्नू के सहायक निदेशक (इनसेट)। पत्रिका

पाली. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के नए सत्र के विद्यार्थियों को गाइडेंस देने इग्नू के सहायक निदेशक डॉ. मुख्तियार अली पाली आए। उन्होंने यहां बांगड़ कॉलेज में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए इग्नू की ओर से संचालित कोर्स की जानकारी दी। साथ ही अधिक से अधिक युवाओं को मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि इग्नू ऐसे कार्य कर रही है, जिसमें दूसरे कार्यशील व्यक्ति भी शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ सकते हैं। इस मौके पर इग्नू के जिला को-ऑर्डिनेटर डॉ. संतोष त्रिपाठी सहित अन्य मौजूद थे।

patrika EPAPER Mon, 07 March 2016
epaper.patrika.com/c/8972581

संवाद से दूर की शंकाएं

सिरोही @ पत्रिका
patrika.com/state

पढ़ाई के प्रति लगाव खूब है, लेकिन पाठ्यक्रम के बारे में कुछ जानना भी था। मन में कुछ सवाल उठ रहे थे जिनके जवाब भी जानने थे। ऐसे में एक तरफ इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की सहायक निदेशक डॉ. रूपाली श्रीवास्तव से मिले तो सवालों के जवाब मिलने के साथ झिझक भी दूर हुई। छात्रों ने पढ़ाई के प्रति रुचि दिखाकर परीक्षा तैयारी में जुटने की बात कही। शनिवार को कुछ इस तरह का संवाद देखने को मिला राजकीय महाविद्यालय के विज्ञान परिसर में। सहायक निदेशक ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

उन्होंने कहा कि इग्नू को जन-जन के विश्वविद्यालय की संज्ञा दी गई है। इसके माध्यम से शिक्षा को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। कोई भी महिला या पुरुष शिक्षा के साथ कौशल से वंचित नहीं रहे। इसके लिए इग्नू की ओर से अब तक 56 क्षेत्रीय केन्द्र के साथ 4 उप क्षेत्रीय केन्द्र स्थापित किए गए हैं। सरल प्रवेश प्रक्रिया प्रति वर्ष 2 बार होती है। परिणाम मात्र 45 दिन में जारी कर दिया जाता है। इस कैलेण्डर पर व्यावसायी पाठ्यक्रम, ई-पाठ्यक्रम, इग्नू केन्द्र के सुरेश वैष्णव आदि उपस्थित थे।

ये डिप्लोमा भी हैं

इग्नू करीब 450 कौशल एवं शिक्षा पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। इसमें सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री, स्नातकोत्तर और शोध उपाधि के शामिल हैं। ये सभी छात्रों के भविष्य के अध्ययन, रोजगार, तकनीकी ज्ञान वृद्धि तथा व्यावसायिक जानकारी के संवर्द्धन में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

सबगुरु न्यूज-सिरोही। ये शायद ही कुछ लोगों को पता हो कि यदि दूरस्थ शिक्षा से यदि कोई विज्ञान में स्नातक करने का इच्छुक हो तो सिरोही राजकीय महाविद्यालय का इग्नू सेंटर जोधपुर रीजन के 13 जिलों का एकमात्र सेंटर है जहाँ पर ये सुविधा है। विशेष रूप से सिरोही के प्रवासियों के लिए तो इग्नू का मिरोही सेंटर काफी फायदेमंद हो सकता है।

इग्नू की जोधपुर रीजन की सहायक निदेशक रूपाली श्रीवास्तव ने अपने सिरोही प्रवास के दौरान बताया कि इस जनवरी 2015 और 2016 में इग्नू में एडमिशन लेने वाले अनुसूचित जाती और जनजाति के विद्यार्थियों को इग्नू फीस का पुनर्भरण करेगी।

सहायक निदेशक ने बताया कि इस वर्ष से इग्नू ने परीक्षा की फीस बढ़ा दी है। उन्होंने बताया कि पहले परीक्षा फीस 60 रूपये थे जो अब बढ़ा कर 120 रूपये कर दी गयी है।

-200 से ज्यादा कोर्स

रूपाली श्रीवास्तव ने बताया कि इग्नू एक मात्र यूनिवर्सिटी जहाँ पर 200 से ज्यादा सब्जेक्ट हैं। इतने सब्जेक्ट किसी अन्य यूनिवर्सिटी में नहीं हैं।इग्नू के हर विषय और कोर्स मान्यता प्राप्त हैं और इसकी अंतर राष्ट्रिय स्टार और मान्यता है। यही नहीं इसके स्नातक कई स्थानों पर सरकारी और गैर सरकारी नौकरी भी कर रहे हैं।

-अब सबकुछ त्वरित

इग्नू निदेशक ने पत्राचार व स्टडी मटेरियल समेत अन्य चीजों मे होने वाली देरी के सवाल पर कहा कि अब ऐसा कुछ नहीं है। उन्होंने दावा किया अभी तक जोधपुर रीजन के करीब 97 प्रतिशत एनरोल्ड विद्यार्थियों को स्टडी मटेरियल मिल चुका है। श्री वर्केन्ज ने में हर पत्र का जवाब दे दिया जाता है। कोई भी यदि फोन करे तो उन्हें समुचित जवाब और मार्गदर्शन मिलता है। उन्होंने कहा कि इग्नू की वेबसाइट पर ही हमने समस्त समस्याओं के निदान और सुविधाएं दे रखी हैं। विद्यार्थी अपने एंड्रोयड फोन पर ही यह सब जानकारियां शामिल कर सकते हैं।

-इंडक्शन मीटिंग में विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान किया

इग्नू की सहायक निदेशक रूपाली श्रीवास्तव ने शनिवार को ही सिरोही में इग्नू के विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत किया। उन्होंने विद्यार्थियो को इग्नू की कार्यप्रणाली,उसके मकसद, दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से करवाये जाने वाले स्नातक, पत्रास्नातक, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट व अन्य कोर्स के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर वनस्पति विज्ञान के व्याख्याता डॉ रमेश पुरोहित व् डॉ संजय पुरोहित भी मौजूद थे।

- See more at: http://www.sabguru.com/students-do-bsc-from-ignou//#sthash.k0kmeXB1.dpuf

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केन्द्र के सहायक निदेशक ने दी जानकारी

शिक्षा ग्रहण कर भविष्य बनाएं : आचार्य

फालना @ पत्रिका. यहां एसपीयू महाविद्यालय में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र जोधपुर के सहायक निदेशक डॉ. अजयवर्धन आचार्य ने कहा कि इग्नू के माध्यम से अनेक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर अपने भविष्य को सुनहरा बनाया जा सकता है। साथ ही शिक्षा की आवश्यकताओं को कार्य करते हुए भी पूरा किया जा सकता है। वे फालना में विद्यार्थियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने रोजगार प्रदान करने वाले खाद्य सुरक्षा, कृषि प्रबंधन, पर्यावरण प्रबंधन, ग्रामीण विकास सहित विभिन्न प्रबंधन पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी देते हुए इग्नू के माध्यम से कौशल विकास प्रधानमंत्री ग्रामीण योजना के बारे में बताया। केन्द्र समन्वयक डॉ. सुरेशचन्द्र अग्रवाल ने सत्रीय कार्य, परीक्षा प्रणाली, प्रवेश प्रक्रिया को समझाया। इस दौरान विद्यार्थियों ने डॉ. आचार्य से विभिन्न प्रकार के प्रश्न कर शंकाओं का समाधान किया। सह समन्वयक डॉ. युधिष्ठिर शर्मा, परामर्शदाता डॉ. मगन सोलंकी, डॉ. पोपाराम, अरविन्दसिंह चौहान, डॉ एकता झा, चेनाराम ने भी विचार रखे।

फालना में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जानकारी देते इग्नू के क्षेत्रीय सहायक निदेशक डॉ. आचार्य। पत्रिका

लक्ष्य निर्धारित कर अनवरत करें विद्यार्थी : माली

देसूरी. प्रत्येक विद्यार्थी यदि लक्ष्य निर्धारित अनवरत करे तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है। ये विचार आदर्श राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मालावास के प्रधानाध्यापक दिलीपसिंह माली ने विद्यालय में आयोजित पाथिवोत्सव समारोह में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन का समय ही पढ़ाकर की दिशा का लक्ष्य निर्धारित करना है। समारोह में सेवानिवृत्त सेनानी चतरसिंह देवड़ा, प्रभोद भटी, देवीलाल, मनफरा, मालावास व रोहत रहे। इसी प्रकार रामजी दयानन्द सरस्वती माध्यमिक शिक्षा मंदिर देसूरी में भी सांस्कृतिक मनाया तथा संस्था प्रधान विनोद गोदावरी के सानिध्य में आयोजित समारोह में पूर्व सरपंच मोतीलाल चौधरी, लोखराज गहलोत, विद्यालय कार्यक्रम प्रभारी लक्ष्मण चौधरी, सरपंच हरिओमपुरी गोस्वामी सहित प्रीतिभोज मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव मनाया

चांदोती (राजी प.स.) यहां आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय का वार्षिकोत्सव पूर्व सरपंच मंगीलाल राजपुरोहित के अतिथ्य में आयोजित हुआ। प्रधानाध्यापक जसवन्त चौधरी ने विद्यालय को डेवेलपर बनाने सम्बन्धी जानकारी दी। इससे पूर्व अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती का पूजन किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया गया। उपसरपंच मंगीलाल ने छात्र के उत्थान के लिए ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने पर कही। इस अवसर पर शिक्षाविद् दुर्गाशंकर देवड़ा,प्रेमसुख सुथार,जोगीसिंह,प्रतिभा कुमारी, विचार रखे। कार्यक्रम में राजवीरसिंह, फकीर मोहम्मद, जयपुरा चौधरी, प्रकाश राम, दीपक कुमार, मनराज चौहान व जसवन्तसिंह आदि मौजूद थे।

इग्नू कराएगा सितम्बर में उदयपुर टेलेंट हंट

25 तरह के सेक्टर की प्रतिभाओं को मिलेगा प्लेटफार्म

इग्नू की रोजगार, नवाचार, कौशल विकास और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की पहल

बालिका शिक्षा, महिला विकास व प्रौढ़ शिक्षा को भी प्रोत्साहन

उदयपुर @ पत्रिका
patrika.com/city

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय (इग्नू) की ओर से सितम्बर में उदयपुर टेलेंट हंट कराया जाएगा। इसमें लगभग 25 सेक्टर की प्रतिभाओं को एक मंच मिलेगा। इसके तहत क्विज कॉम्पिटिशन भी होगा और विशेषज्ञों की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम भी होगा। जिला प्रशासन के सहयोग से टेलेंट हंट कराया जाएगा। इसके पीछे उद्देश्य

प्रतापगढ़ व बांसवाड़ा में भी खुलेंगे केंद्र

अधिकारी व महिलाओं को भी शिक्षा से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। यही कारण है कि अन्य दो मुख्यालय बांसवाड़ा व प्रतापगढ़ में भी इग्नू के अध्ययन केंद्र खोले जाएंगे। इससे यहां के आदिवासी युवाओं व महिलाओं को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा इग्नू बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भी प्रयासरत है। इसके लिए गांवों में स्थायी सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही प्रौढ़ शिक्षा के लिए ईच वन, टीच वन भी शुरू किया जाएगा। यही नहीं, जनवरी दिसंबर में रुके हुए इग्नू की ओर से वार्ड परिक्रमा योजना भी चल रही है। संपूर्ण ग्राम विकास योजना के तहत 20 गांवों को गोद लिया गया है। इसमें राजसमंद के तालोल गांव और पिंडवाड़ा के मालेरा गांव में शामिल किए गए हैं।

प्रतिभा को उभारना और उनके व्यक्तित्व का निर्माण करना है। यह कहना है इग्नू के क्षेत्रीय केंद्र जोधपुर के सहायक निदेशक डॉ. अजयवर्द्धन आचार्य का। आचार्य ने दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम के लिए उदयपुर आए थे।

रोजगार बढ़ाने के लिए प्लेसमेंट सेल का गठन

आचार्य ने बताया कि इग्नू अब रोजगार, नवाचार, कौशल विकास और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने पर जोर देगा। इसी को देखते हुए कोर्सेस भी शुरू किए गए है, जिसमें मुख्यतः पांच विंदुओं कृषि, आईटी, माइनिंग, पर्यटन व सुरक्षा पर ध्यान है। इसके साथ ही उद्यमशीलता जागृति शिविर भी 13 जिलों में चलाया जा रहा है। प्लेसमेंट सेल का गठन किया गया है। इसके अलावा प्रधानमंत्री डिजिटल इंडिया मुहिम से इग्नू को जोड़ा गया है, जिसके तहत अब इग्नू पूरी तरह से डिजिटलाइज्ड होने जा रहा है। इसमें ऑनलाइन एडमिशन के साथ इसकी शुरुआत कर दी गई है। वर्तमान में इग्नू के माध्यम से 512 विभिन्न कोर्सेस चलाए जा रहे हैं, जिसमें से 141 कोर्सेस ऑनलाइन हैं। कोर्सेस में प्रवेश प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अप्रैल से शुरू हो जाएंगे।

दलित विद्यार्थियों को मिलेगी नि:शुल्क शिक्षा : अली

इग्नू की परिचयात्मक बैठक के बाद पुस्तकों का विमोचन करते अतिथि।

-इग्नू की परिचयात्मक बैठक आयोजित

कुचामनसिटी, (सदाम रंगरेज): 'आगामी सत्र से इग्नू एससी/एसटी के विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने जा रहा है।' शनिवार को कुचामन महाविद्यालय में संचालित इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र पर आयोजित परिचयात्मक बैठक को सम्बोधित करते हुए इग्नू के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मुख्तयार अली ने मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि इग्नू में उम्र की कोई सीमा नहीं है। पारीवारिक कारणों से तथा अन्य किसी कारणों से पढ़ाई छोड़ चुके लोग इग्नू के माध्यम से घर बैठे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। इग्नू ऐसे लोगों के लिए प्रकाश की किरण जो उन्हें शिक्षा से जोड़े रखती है। उन्होंने बताया कि इग्नू की प्रवेश प्रक्रिया भी अत्यन्त सरल है तथा इग्नू अन्य विश्वविद्यालय के समकक्ष ही मान्य है। उन्होंने सभी विषयों, प्रमाण-पत्र कोर्स, पाठ्यक्रम काउंसलिंग तथा परीक्षा सम्बन्धित विस्तृत जानकारी भी दी। बैठक में बी.ए., बी.कॉम., एम.ए. (राजनीति शास्त्र, लोकप्रशासन, इतिहास व अन्य विषय) के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया तथा वर्तमान समय के लिए उपयोगी 6 माह के विभिन्न पाठ्यक्रम जैसे आपदाप्रबन्ध, मानवाधिकार, मानव सशक्तीकरण के डिप्लोमा पाठ्यक्रम की भी जानकारी दी गयी।

पुस्तकों का विमोचन : इसके साथ-साथ छात्रों को विभिन्न किया गया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी एक डिग्री कार्यक्रम के साथ-साथ डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं। कार्यक्रम में स्वामी दयानन्द सरस्वती की शिक्षा व्यवस्था, केन्द्रीय सरकार का अन्तः सम्बन्ध, भारतीय इतिहास और संस्कृति पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।